Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

वीर बाल दिवस

➢ चर्चा में क्यों ?

- वर्ष 2023 से प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को सिखों के दसवें गुरु–गुरु गोविंद सिंह के दो सबसे छोटे बेटों साहिब जादा जोरावर सिंह (9 वर्ष) और साहिब जादा फतेह सिंह (7 वर्ष) की शहादत को चिन्हित करने के लिए "वीर बाल दिवस" के रूप में मनाया जाता है।
- *** ज्ञातव्य है कि 9 जनवरी 2022 को गुरु गोविंद सिंह के जन्म दिवस "प्रकाश पर्व" के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को "वीर बाल दिवस" के रूप में मनाने की घोषणा की थी।
- "वीर बाल दिवस" के दिन सिखों के दस गुरुओं के महत्वपूर्ण योगदान और राष्ट्र के सम्मान की रक्षा के लिए सिखों के बलिदान को याद किया जाता है।
- *** इस वर्ष "वीर बाल दिवस" को महिला एवं बाल मंत्रालय द्वारा मनाया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी "राष्ट्रीय बाल पुरस्कार" विजेता बच्चों को सम्मानित करेंगे।
- नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से चुने गए 17 बच्चों को "राष्ट्रीय बाल पुरस्कार" से सम्मानित करेंगे।
- यह "राष्ट्रीय बाल पुरस्कार" राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा।
- ज्ञातव्य है कि "राष्ट्रीय बाल पुरस्कार" इससे पहले गणतंत्र दिवस के पहले सप्ताह में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में प्रदान किया जाता था।

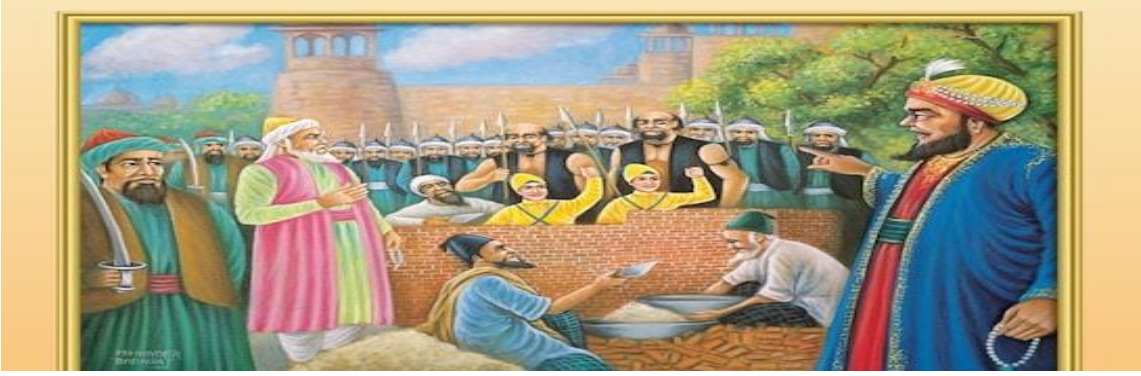

➢ "वीर बाल दिवस" संबंधी ऐतिहासिक तथ्य :

- वर्ष 1704 में मुगलों और वर्तमान हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी राजाओं जो गुरु गोविंद सिंह द्वारा अपनी सेना बनाने के फैसलों से असहज थे, ने गुरु गोविंद सिंह जी के आनंदपुर साहिब के किले पर हमला कर दिया।
- आनंदपुर साहिब किले पर हुए इस हमले का नेतृत्व बिलासपुर के राजा भीमचंद और हंडुरिया के राजा हरिचंद ने किया।
- भीमचंद और हरिचंद की सेनाओं ने मुगल साम्राज्य के समर्थन से आनंदपुर साहिब की घेरा बंदी कर दी।
- हरिचंद और भीमचंद का साथ देने के लिए सरहिंद, लाहौर, मालेरकोटला और सहारनपुर की सेनाएं भी शामिल हो गई।
- जिसके फलस्वरुप आनंदपुर साहिब के अंदर बाहरी वस्तुओं की आपूर्ति कई महीनों तक बंद रही।
- कई दिनों तक आनंदपुर साहिब किले की घेराबंदी करने के बाद अंतत: हिंदू राजा और मुस्लिम गवर्नर ने सिखों के साथ एक समझौता किया।
- इस समझौते के तहत यह तय हुआ कि अगर गुरु गोविंद सिंह आनंदपुर साहिब छोड़ देंगे तो किसी भी प्रकार की युद्ध नहीं की जाएगी।
- शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (SGPC) द्वारा प्रकाशित इतिहास के अनुसार इस समझौते के तहत 20 दिसंबर 1704 को गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब किले को छोड़ दिया।

➢ सरसा के तट पर युद्ध :

- भीमचंद, हरिचंद तथा मुस्लिम गवर्नर ने सिखों के साथ युद्ध न करने के समझौते का उल्लंघन करते हुए आनंदपुर साहिब किले से 25 किलोमीटर दूर "सरसा नदी" के पास गुरु गोविंद सिंह और उसके अनुयायियों पर हमला कर दिया।
- उस समय सरसा नदी में बाढ़ आई हुई थी, जिसके कारण नदी पार करते हुए कई सिख सैनिक बह गए।
- भीमचंद, हरिचंद और मुगलों की सेना के इस अचानक हमले के कारण अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई और गुरु गोविंद सिंह का परिवार अलग-अलग दिशाओं में बिखर गया।
- *** गुरु गोविंद सिंह की पत्नी, माता साहिब कौर और उनके साथी मणि सिंह मालवा की ओर चले गए जबकि गुरु गोविंद सिंह अपने दो बड़े पुत्रों अजीत सिंह और जुझार सिंह सहित 40 सिख सैनिकों के साथ चमकौर साहिब की ओर चले गए।

- गुरु गोविंद सिंह की पत्नी गुजर कौर और अपने दोनों छोटे पुत्रों साहिब जादा जोरावर सिंह और साहिब जादा फतेह सिंह और उनकी दादी साहिब कौर के साथ सरहिंद की ओर चले गए।

➢ चमकौर की लड़ाई :

- गुरु गोविंद सिंह और उनके दोनों बड़े पुत्र अजीत सिंह तथा जुझार सिंह को उनके अनुयायियों को विरोधी सेना द्वारा चमकौर साहिब के एक महल में घेर लिया गया जहां इन लोगों ने शरण ली थी।
- चमकौर के ऐतिहासिक लड़ाई के नाम से जानी जाने वाली इस युद्ध में गुरु गोविंद सिंह की छोटी सेना (40 सैनिकों) ने मुगलों और पहाड़ी राजाओं के विशाल सेना का वीरतापूर्वक मुकाबला किया।
- *** 22 दिसंबर 1704 को चमकौर युद्ध में साहिब जादा अजीत सिंह और साहिब जादा जुझार सिंह को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी।

➢ दोनों छोटे साहबजादे का क्या हुआ ?

- अपने दोनों छोटे साहबजादे फतेह सिंह और जोरावर सिंह के साथ गुरु गोविंद सिंह की पत्नी सरहिंद के खीरी गांव में गंगू नामक व्यक्ति के घर पर रह रहे थे।
- "गंगू" गुरु गोविंद सिंह के लिए रसोईया का काम करता था।
- हालांकि "गंगू" ने गुरु गोविंद सिंह की पत्नी गुजरी कौर के पास मौजूद सोने के आभूषण और मुगल गवर्नर द्वारा घोषित इनाम से प्रलोभित होकर साहबजादा फतेह सिंह और जोरावर सिंह को उनके दादी के साथ सरहिंद के नवाब वजीर खान को सौंप दिया।
- वजीर खान ने साहब जादा फतेह सिंह और जोरावर सिंह को उनकी दादी के साथ एक ठंडी कोठरी में कैद कर दिया।
- इसके अगले दिन यानि 26 दिसंबर 1704 को दोनों साहबजादे को वजीर खान की अदालत में पेश किया गया।
- अदालत में वजीर खान ने दोनों साहबजादे को धन और उपहार की पेशकश की तथा उनसे कहा गया कि अगर वे "इस्लाम धर्म" कबूल करते हैं तो उन्हें जिंदा छोड़ दिया जाएगा।
- इन दोनों साहबजादे को यह भी बताया गया कि उनके पिता और दोनों बड़े भाई युद्ध में मारे जा चुके हैं।

- हालांकि दोनों साहबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह ने अपना धर्म परिवर्तन करने और वजीर खान के सामने झुकने से इनकार कर दिया।
- वजीर खान के प्रलोभनों और अपना धर्म छोड़ने से इनकार करने के बाद वजीर खान ने दोनों साहबजादे को जिंदा ईंटों में चुनवा देने का आदेश जारी किया।
- हालांकि कुछ मुस्लिम दरबारियों द्वारा वजीर खान के इस फैसले को इस्लाम के खिलाफ बताकर विरोध किया लेकिन वजीर खान अपने फैसले पर अडिग रहे।
- जब दोनों साहिबजादे के चारों ओर दीवार खड़ी की जा रही थी तब ये दोनों अडिग होकर खड़े थे।
- अंततः दो जल्लादों ने पहले छोटे साहबजादा फतेह सिंह की एवं बाद में जोरावर सिंह की गला रेतकर हत्या कर दी।
- इसी दिन सदमे में माता गुजरी कौर की भी मौत हो गई।
- हालांकि इसके कुछ साल बाद बंदा बहादुर सिंह ने सरहिंद पर हमला करके इसे अपने कब्जे में लेकर साहिबजादे की हत्या का बदला लिया।

*** **Note :–** जिस स्थान पर "सरसा की लड़ाई" हुई थी, उसी स्थान पर "परिवार विचोरा साहिब गुरुद्वारा" स्थित है।

- "परिवार विचोरा साहिब गुरुद्वारा" यह नाम इसलिए रखा गया क्योंकि यहीं से गुरु गोविंद सिंह का पूरा परिवार बिछड़ गया था।
- वीर बाल दिवस का महत्व :
- "26 दिसंबर" युवा सिख योद्धाओं की उल्लेखनीय बहादुरी का सम्मान करने एवं उनके अद्वितीय विश्वास और त्याग के रूप में याद करने के लिए "वीर बाल दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

MCQ–1 : "26 दिसंबर" को प्रत्येक वर्ष "वीर बाल दिवस" मनाने की घोषणा कब की गई थी ?

a) 8 दिसंबर 2020
b) 9 जनवरी 2022
c) 15 अगस्त 2022
d) 26 जनवरी 2022

Ans.–(b)

MCQ–2 : किस युद्ध में गुरु गोविंद सिंह के दो बड़े साहबजादे अजीत सिंह और जुझार सिंह की हत्या कर दी गई ?

a) सरसा का युद्ध
b) सरहिंद का युद्ध
c) चमकौर का युद्ध
d) आनंद साहिब का युद्ध

Ans.–(c)

Result Mitra

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806